



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 498]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 31, 2000/श्रावण 9, 1922

No. 498]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 31, 2000/SRAVANA 9, 1922

परमाणु ऊर्जा विभाग

(विद्युत अनुभाग)

अधिसूचना

मुंबई, 27 जुलाई, 2000

का.आ. 703(अ).— भारत के राजपत्र-असाधारण, भाग-II-खण्ड 3 (ii) में 17 जुलाई, 1996 को सा.आ. संख्या 513 (ई) के तहत प्रकाशित 11 जुलाई, 1996 की अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए और "वे मानदण्ड जिनके अंतर्गत परमाणु बिजलीघरों द्वारा राज्य विद्युत बोर्डों और अन्य व्यक्तियों को दी जाने वाली बिजली के लिए शुल्क निर्धारित किया जाएगा", विषय पर परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 (1962 का 33वाँ) के खण्ड 22 के उप-खण्ड (1) की धारा (ख) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिसूचना की धारा 1.16 तथा 1.17 को प्रतिस्थापित करते हैं जिन्हें अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :-

1.16 अनुसंधान तथा विकास शुल्क

- (i) सभी बिजलीघरों द्वारा उत्पादित बिजली की बिक्री से शुल्क में 3 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की दर से अनुसंधान तथा विकास (आर एंड डी) लेवी की वसूली की जाएगी. भारत सरकार द्वारा यह लेवी, परमाणु बिजलीघरों की अभियांत्रिकी तथा डिजाइन से संबद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्यों पर हुए पूंजीगत व्यय में अपनी ईक्विटी के भाग की पूर्ति के लिए वसूल किया जा रहा है.
- (ii) अनुसंधान तथा विकास लेवी, शुल्क अथवा बिक्री से हुई आय का हिस्सा नहीं होगा. इसके अतिरिक्त, अनुसंधान तथा विकास लेवी निश्चित किए जाने और समय-समय पर उसे संशोधित किए जाने को शुल्क संशोधित किया जाना नहीं माना जाएगा.
- (iii) अनुसंधान तथा विकास लेवी के कारण हुई आय को वर्ष के अंत में एक निधि में जमा किया जाएगा, जिसे "एनपीसीआईएल - अनुसंधान तथा विकास निधि" के नाम से जाना जाएगा और उसकी देख-रेख न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा की जाएगी.

- (iv) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा इस अनुसंधान तथा विकास निधि का उपयोग, अनुसंधान तथा विकास कार्यों संबंधी पूंजीगत तथा राजस्व व्यय को पूरा करने के प्रयोजन के लिए किया जाएगा और किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं.
- (v) अनुसंधान तथा विकास कार्यों के लिए इस निधि के उपयोग (पूंजीगत तथा राजस्व दोनों) हेतु किसी भी प्रस्ताव को संबंधित बजटों में शामिल किया जाएगा और एनपीसीआईएल बोर्ड का विशेष अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा.
- (vi) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड परमाणु ऊर्जा विभाग को एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें निम्नलिखित सूचना दी जाएगी:-
- (क) वर्ष के दौरान अनुसंधान तथा विकास निधि के अंतर्गत जमा की गई राशि.
- (ख) अनुसंधान तथा विकास कार्यों पर होने वाले पूंजीगत और राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए वर्ष के दौरान अनुसंधान तथा विकास निधि में से मदवार उपयोग में लाई गई राशि.
- (vii) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड अनुसंधान तथा विकास निधि में उपलब्ध शेष राशि को निम्नलिखित प्रतिभूतियों में निवेश करेगा:
- (क) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियाँ.
- (ख) भविष्यनिधि अधिनियम के अंतर्गत अनुमेय पी एस यू बॉन्ड तथा ऋण संबंधी अन्य साधन.
- (ग) राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में आवधिक जमा राशियाँ.
- (घ) पी एस यू बैंकों तथा सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों में सी ओ डी.
- (ङ) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के वाणिज्यिक दस्तावेज.
- (च) केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की अन्तर निगमित जमा राशियाँ.
- (viii) इस प्रकार किए गए निवेश से हुई आय को अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित एनपीसीआईएल - अनुसंधान एवं विकास निधि में जमा किया जाएगा और उसका उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसका उल्लेख (i) तथा (iv) में किया गया है. किसी भी ऐसी राशि के बारे में, जो निवेश होने से रह गई हो, यह समझा जाएगा कि उससे 12 प्रतिशत वार्षिक आय के बराबर रूप की आय हुई है. इस प्रकार आकलित आय की राशि को भी अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित अनुसंधान तथा विकास निधि में जमा किया जाएगा और उसका उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसका उल्लेख ऊपर (i) तथा (iv) अनुच्छेदों में किया गया है.
- (ix) न्यूक्लियर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड बोर्ड निवेश संबंधी मानदंडों, निवेश की अवधि, निवेश को अनुमोदित करने वाले प्राधिकारी के लिए विस्तृत निदेश तैयार करेगा, जोकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की अधिशेष निधियों के निवेश के लिए भारत सरकार के निदेशों के अनुरूप होंगे.
- (x) अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित एनपीसीआईएल - अनुसंधान तथा विकास निधि एक पूंजीगत आरक्षित निधि होगी और उसे लाभांश के रूप में वितरित नहीं किया जाएगा.

1.17 नवीकरण तथा आधुनिकीकरण लेवी

- (i) सभी परमाणु बिजलीघरों से बिजली संबंधी शुल्क के साथ-साथ पाँच पैसे प्रतिकिलोवाट घंटे की दर से नवीकरण तथा आधुनिकीकरण लेवी की वसूली की जाएगी. भारत सरकार द्वारा यह लेवी, नवीकरण तथा आधुनिकीकरण संबंधी कार्यों पर होने वाले पूंजीगत व्ययों में अपने इक्विटी अंश की पूर्ति के लिए वसूल की जा रही है.
- (ii) नवीकरण तथा आधुनिकीकरण लेवी, शुल्क अथवा बिक्री संबंधी आय का हिस्सा नहीं होगी. इसके अतिरिक्त, नवीकरण तथा आधुनिकीकरण लेवी को निश्चित करने और उसे समय-समय पर संशोधित करने को शुल्क में संशोधन किया जाना नहीं माना जाएगा.
- (iii) नवीकरण तथा आधुनिकीकरण लेवी के कारण हुई आय को प्रत्येक वर्ष के अंत में एक निधि के अंतर्गत जमा किया जाएगा, जिसे "एनपीसीआईएल - नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि" के नाम से जाना जाएगा और उसकी देख-रेख न्यूक्लियर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा की जाएगी.
- (iv) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि का उपयोग, नवीकरण तथा आधुनिकीकरण पर हुए पूंजीगत व्यय की पूर्ति के लिए किया जाएगा और किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं.
- (v) नवीकरण तथा आधुनिकीकरण कार्यों के लिए निधि के उपयोग हेतु किसी भी प्रस्ताव को पूंजीगत बजट में शामिल किया जाएगा और एनपीसीआईएल का विशेष अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा.
- (vi) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग को एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी जिसमें निम्नलिखित सूचना दी जाएगी:-
 - (क) वर्ष के दौरान नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि के अंतर्गत जमा की गई राशि.
 - (ख) नवीकरण तथा आधुनिकीकरण कार्यों पर होने वाले पूंजीगत व्यय की पूर्ति के लिए वर्ष के दौरान नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि में से मदवार उपयोग में लाई गई राशि.
- (vii) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड नवीकरण और आधुनिकीकरण निधि में उपलब्ध शेष राशि को निम्नलिखित प्रतिभूतियों में निवेश करेगा:
 - (क) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियाँ.
 - (ख) भविष्यनिधि अधिनियम के अंतर्गत अनुमेय पी एस यू बॉन्ड तथा ऋण संबंधी अन्य साधन.
 - (ग) राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में आवधि जमा राशियाँ.
 - (घ) पी एस यू बैंकों तथा सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों में सी ओ डी.
 - (ङ) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के वाणिज्यिक दस्तावेज.
 - (च) केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की अन्तर निगमित जमा राशियाँ.

- (viii) इस प्रकार किए गए निवेश से हुई आय को अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित एनपीसीआईएल - नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि में जमा किया जाएगा और उसका उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसका उल्लेख (i) तथा (iv) अनुच्छेदों में किया गया है। किसी भी ऐसी राशि के बारे में, जो निवेश होने से रह गई हो, यह समझा जाएगा कि उससे 12 प्रतिशत वार्षिक आय के बराबर रूप की आय हुई है। इस प्रकार आकलित आय की राशि को भी अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि में जमा किया जाएगा और उसका उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसका उल्लेख ऊपर (i) तथा (iv) अनुच्छेदों में किया गया है।
- (ix) न्यूक्लियर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड बोर्ड निवेश संबंधी मानदंडों, निवेश की अवधि, निवेश को अनुमोदित करने वाले प्राधिकारी के लिए विस्तृत निदेश तैयार करेगा, जोकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की अधिशेष निधियों के निवेश के लिए भारत सरकार के निदेशों के अनुरूप होंगे।
- (x) अनुच्छेद (iii) में उल्लिखित एनपीसीआईएल - नवीकरण तथा आधुनिकीकरण निधि एक पूंजीगत आरक्षित निधि होगी और उसे लाभांश के रूप में वितरित नहीं किया जाएगा।

यह आदेश 17 जुलाई, 1996 से प्रभावी होगा।

[सं. 1/13(1)/95-विद्युत/खण्ड V/620]

आर.एम. प्रेमकुमार, अपर सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(Power Section)

NOTIFICATION

Mumbai, the 27th July, 2000

S.O. 703(E).— in partial modification of the Notification dated July 11, 1996 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3(ii), July 17, 1996, vide S.O. 513 (E) and in exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-section (1) of Section 22 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), on the subject of "norms with which the Tariff for electricity by the Atomic Power Station to the SEB and other persons shall be determined", the Central Government hereby substitutes the clauses 1.16 and 1.17 of the said notification which shall now read as below:-

1.16 Research and Development Levy

- (i) A Research and Development (R&D) levy of 3 paise/KWh shall be recovered in the tariff from sale of electricity from all the atomic power stations. This levy is being collected by the Government of India in order to cover its equity portion of the capital expenditure on Research and Development activities related to engineering and design of Atomic Power Stations.
- (ii) The Research and Development (R&D) levy shall not form part of tariff or sales income. Further, fixation of Research and Development Levy and its revision from time to time shall not constitute revision of tariff.

- (iii) The receipts on account of the Research and Development Levy shall be credited to a Fund at the end of year, to be known as "NPCIL - Research and Development Fund" and be maintained by the Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL).
- (iv) The Research and Development Fund shall be utilised by NPCIL for the purpose of meeting capital and revenue expenditure on Research and Development and for no other purpose.
- (v) Any proposal for utilisation of the fund for research and development works (both capital as well as revenue) shall be included in the respective Budgets and specific approval of NPCIL Board should be obtained.
- (vi) NPCIL shall furnish an Annual Return to the DAE providing the following information:-
 - (a) The amount credited during the year to the Research and Development fund.
 - (b) The itemwise amount utilized during the year out of the Research and Development Fund for meeting capital and revenue expenditure on Research and Development.
- (vii) NPCIL shall invest the balance amount available in the Research and Development Fund in the following securities:
 - (a) Central Government Securities.
 - (b) PSU Bonds & other Debt Instruments permissible under Provident Fund Act.
 - (c) Fixed Term Deposits in Nationalized Banks & Scheduled Commercial Bank.
 - (d) CODs of PSU banks and Public Financial Institutions.
 - (e) Commercial papers of PSU's.
 - (f) Inter Corporate Deposits of Central PSU's.
- (viii) Income from Investment so made will be credited to the NPCIL-Research and Development Fund referred to in para (iii) and shall be utilised for the same purpose as mentioned in paras (i) and (iv). Any amount remaining uninvested will be deemed to have earned the rupee equivalent of a 12% return per annum. The amount of return as so computed, will also be credited to the NPCIL Research and Development Fund referred to in para (iii) to be utilised for the same purpose as mentioned in paras (i) and (iv) above.
- (ix) The NPCIL Board shall formulate detailed guidelines for investment criteria, tenure of investment, investment approving authority, in line with the Government of India guidelines for investment of surplus funds of PSU's.
- (x) The NPCIL-Research and Development Fund referred to in para (iii) will be a Capital Reserve and will not be distributable as dividend.

269767/2000-2

1.17 Renovation and Modernization Levy

- (i) A Renovation & Modernization (R&M) levy of 5 paise/KWh shall be recovered along with the tariff of electricity from all the atomic power stations. This levy is being collected by the Government of India in order to cover its equity portion of the capital expenditure on renovation and modernization activities.
- (ii) The Renovation and Modernization Levy (R&M levy) shall not form part of tariff or sales income. Further fixation of R&M levy and its revision from time to time shall not constitute revision of tariff.
- (iii) The receipts on account of the Renovation and Modernization Levy shall be credited to a Fund at the end of each year, to be known as "NPCIL-Renovation and Modernization Fund" and be maintained by Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL).
- (iv) The Renovation and Modernization Fund shall be utilized by NPCIL for the purpose of meeting capital expenditure on Renovation and Modernization and for no other purpose.
- (v) Any proposal for utilisation of the fund for Renovation and Modernisation works shall be included in the Capital Budget and specific approval of NPCIL Board should be obtained.
- (vi) NPCIL shall furnish an Annual Return to the DAE providing the following information:-
 - (a) The amount credited during the year to the Renovation and Modernization fund.
 - (b) The itemwise amount utilised during the year out of the Renovation and Modernisation Fund for meeting capital expenditure on Renovation and Modernisation.
- (vii) NPCIL shall invest the balance amount available in the Renovation & Modernization Fund in the following securities:-
 - (a) Central Government Securities.
 - (b) PSU Bonds & other Debt Instruments permissible under Provident Fund Act.
 - (c) Fixed Term Deposits in Nationalized Banks including Scheduled Commercial Bank.
 - (d) CODs of PSU banks and Public Financial Institutions.
 - (e) Commercial papers of PSU's.
 - (f) Inter Corporate Deposits of Central PSU's.
- (viii) Income from investment so made will be credited to the NPCIL-Renovation and Modernisation Fund referred to in para (iii) and shall be utilised for the same purpose as mentioned in paras (i) and (iv). Any amount remaining uninvested will be deemed to have earned the rupee equivalent of a 12% return per annum. The amount of return as so computed, will also be credited to the NPCIL-Renovation and Modernisation Fund referred to in para (iii) to be utilised for the same purpose as mentioned in paras (i) and (iv) above.

- (ix) The NPCIL Board shall formulate detailed guidelines for investment criteria, tenure of investment, investment approving authority, in line with the Government of India guidelines for investment of surplus funds of PSU's.
- (x) The NPCIL-Renovation and Modernisation Fund referred to in para (iii) will be a Capital Reserve and will not be distributable as dividend.

This order will be effective from 17 July 1996.

[No. 1/13(1)/95-Power/Vol V/620]

R. M. PREMKUMAR, Addl Secy

